(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, what are the causes of their death and what was the number of the Tibetan refugees travelling by that train?]

वैदेशिक-कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) मिसमारी से पठानकोट के रेल-सफर के दौरान में चार बच्चों की मृत्यु हुई।

(ख) कमजोरी के कारण उनकी मृत्यु हुई थी। हाल ही में तिब्बत से आने के बाद उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं था। रेल से सफर करने वाले तिब्बती शरणार्थियों की संख्या ७५४ थी।

tLTHE DEPUTY MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI LAKSHMI MENON): (a) Four infants died during the train journey from Missamari to Pathankot.

(b) The cause of death was general debility. They were in a poor state of health, having recently arrived from Tibet. The number of the Tibetan refugees travelling by the train was 754.]

श्री नवाबसिंह चौहान : इस सफर में जो रेल ले जाई जा रही थी, वह किस के इंतजाम में ले जाई जा रही थी, सीधे गवर्नमेंट के इंतजाम में या किसी अन्य संस्था के इंतजाम में ?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: On behalf of the Government. The party was escorted by the Camp Commander, Shri B. B. Dam.

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या यह सच है कि इस सफर में कोई मेडिकल ऐड का इंतजाम

SHRIMATI LAKSHMI MENON: Sir. medical aid was given at every railway junction and also at other important stations by • railway doctors and others.

SHRI M. VALIULLA: What was the capacity of the train? Was it overcrowded?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: I do not know that, Sir.

SHRI JUGAL KISHORE: May I know whether any Tibetan refugees were found missing?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: They were found missing at Missamari but they came back after some time.

SHRI JUGAL KISHORE: May I know whether any Chinese were found mixed up with these Tibetan refugees?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: No. Sir. Certain selected Tibetan refugees were taken to Pathankot.

SHRI MAHESWAR NAIK: May I know, Sir, in what way the Government of India is responsible for the deaths of these Tibetan refugees while being transported?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: There is a long answer, Sir. These were children who were weak and their mothers did not report the state of their health to the medical officer.

भारत-पाकिस्तान सीमित अदायगी करार

*२५. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत-पाकिस्तान सीमित अदायगी करार, १९५९ के अधीन अब तक क्या-क्या वस्तुएं आयात व निर्यात की गई ?

f[INDO-PAKISTAN LIMITED PAYMENTS AGREEMENT

*25. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of COMMENCE AND INDUSTRY be pleased to state the commodities which have so far been imported and exported under the Indo-Pakistan Limited Payments Agreement, 1959?]

f[ ] English translation.

वाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री सतीश चन्द्र) : भारत-पाकिस्तान सीमित अदायगी करार, १९५९ के अधीन भारत ने लगभग ६४ लाख रु० मूल्य की कच्ची रुई का आयात किया है और लगभग ३ लाख रु० की बीड़ी की पत्तियों का निर्यात किया है ।

t[THE DEPUTY MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI SATISH CHANDRA) : India has imported raw cotton worth about Rs. 64 lakhs and exported bidi leaves worth Rs. 3 lakhs approximately under the Indo-Pakistan Limited Payments Agrement of December, 1959.]

श्री नवाबसिंह चौहान : इसके मातहत कितने रुपये तक का व्यापार दोनों तरफ से हो सकता है ?

श्री सतीश चन्द्र : ३ दिसम्बर को जब पहली बार दस्तखत हुए तब साल में २ करोड़ रुपये का खयाल था लेकिन अभी पाकिस्तान से नई बातचीत हुई उसके फलस्वरूप ४ करोड़ १० लाख रुपया का आयात और ४ करोड़ १० लाख रुपये के निर्यात का विचार है ।

श्री नवाबसिंह चौहान : इसके अन्दर जो कमोडिटीज़, जो वस्तुएं इधर उधर भेजी जाती हैं उनका पेमेंट कैश में, रुपये की शक्ल में होता है या किसी दूसरे ढंग से होता है ?

t[ ] English translation.

श्री सतीश चन्द्र : पाकिस्तान की नैशनल बैंक ने स्टेट बैंक आफ इंडिया में एक हिसाब खोला है जिसमें जितना माल पाकिस्तान से खरीदा जाता है उसका रुपया जमा हो जाता है और पाकिस्तान उस रुपये से यहां माल खरीद कर सकता है ।

PANDIT S. S. N. TANKHA: To rectify this imbalance of cotton trade between India and Pakistan, is it possible for India to export cotton cloth or cotton thread to Pakistan?

SHRI SATISH CHANDRA: I could not catch the question, Sir.

PANDIT S. S. N. TANKHA: You just stated that Rs. 3 lakhs worth of cotton was exported.

MR. CHAIRMAN: No, no. It was bidi leaves worth Rs. 3 lakhs. Not cotton.

SHRI SATISH CHANDRA: I said, Sir, that cotton was imported and more cotton is proposed to be imported from Pakistan during the course of the year.

श्री देवकीनन्दन नारायण : क्या माननीय मंत्री महोदय से मैं जान सकता हूं कि हिन्दुस्तान से अब पाकिस्तान को केले भी भेजे जा रहे हैं ?

श्री सतीश चन्द्र : यहां से फल भेजे जा सकते हैं और पाकिस्तान से भी फल आते हैं । केले का तो मुझे खास तौर से पता नहीं है ।

श्री जयनारायण व्यास : क्या माननीय मंत्री महोदय को यह पता है कि जो बीड़ी की पत्तियां जाती हैं वे बहुत कम एक्सपोर्ट के तौर पर जाती हैं और स्मगल हो कर जैसलमेर और बाड़मेर के रास्ते से बहुत जाती हैं ?

श्री सतीश चन्द्र : जो ४ करोड़ १० लाख रुपये का निर्यात तय हुआ है उसमें बीड़ी की पत्तियां भी जायेंगी, ऐसा विचार है ।

हिन्दुओं का पाकिस्तान से भारत आना

***२६. श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दिसम्बर से अब तक कितने हिन्दू प्रति मास पाकिस्तान से भारत आए; और

(ख) उनके भारत आने का मुख्य कारण क्या है ?

t [COMING OF HINDUS FROM PAKISTAN TO INDIA

*26. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of Hindus who have so far come to India from Pakistan in each month since December last; and

(b) what is the main reason of their coming to India?]

THE DEPUTY MINISTER or EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI LAKSHMI MENON) : (a) A statement is laid on the Table of the House.

(b) Broadly it is the hard conditions of living for the minorities in Pakistan.

STATEMENT

Number of migrants from Pakistan coming to India

Period	No. of migrants
Decemebr, 1959	1026
January, 1960	*665
February, 1960	f904

* Excluding figures for the second half for Assam.

tExcluding figures for Assam and for the first half for Rajasthan.

‡[**वैदेशिक-कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन)** : (क) एक ब्यौरा सदन की मेज पर रख दिया है ।

(ख) मोटे तौर पर इसकी वजह है—पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के जीवन की कठिनाइयां ।

t[ ] English translation, tt] Hindi translation.

विवरण

पाकिस्तान से भारत आने वाले प्रवासियों की संख्या

अवधि	प्रवासियों की संख्या
दिसम्बर, १९५९	१०२६
जनवरी, १९६०	*६६५
फरवरी १९६०	†९०४

*इसमें असम के लिये दूसरे पखवाड़े के आंकड़े नहीं हैं ।

†इसमें असम के और राजस्थान के लिये पहले पखवाड़े के आंकड़े नहीं हैं ।]

श्री नवाबसिंह चौहान : जैसा कि इस स्टेटमेंट से जाहिर होता है, अब भी वहां से, पूर्वी पाकिस्तान से, प्रति मास एक हजार के करीब शरणार्थी आ रहे हैं । तो इसको रोकने के लिये क्या कोई प्रयत्न हो रहे हैं ? जो मौजूदा बातचीत पाकिस्तान से चल रही है उसमें क्या इस सम्बन्ध में कोई बातें हुई हैं ? क्या इस तरीके की कोई बातें हो रही हैं ?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: Sir, the figures given are not for East Pakistan only. They are for the whole of Pakistan. For East Pakistan the figures are different. In the case of West Pakistan there is a decline in numbers compared to last year. In January, 1959 it was 304 and in January 1960 it is 146. I_n February 1959 it was 259 and for the first half of February, 1960 it is only 63.

श्री नवाबसिंह चौहान : सख्ती की वजह से, रहन सेहन की कठिनाई की वजह से लोगों का वहां से आना हो रहा है । यह कारण इसमें बताया गया है । तो क्या इससे यह समझ लिया जाये कि इनमें अधिकतर पूर्वी पाकिस्तान के ही लोग हैं और पश्चिमी पाकिस्तान के बहुत कम लोग हैं ?